Publication: The Economic Times

Headline: Gold Coins sales surge mimicks soaring prices

Edition: All Editions

Date: 26th August, 2011

Coverage-

सोने की कीमतें चढ़ी, सिक्कों की मांग बढ़ी

सुतानुका घोषाल

कोलकाता

अमेरिका और यूरोप में कर्ज संकट की खबरों के बीच सोने की कीमत के मामले में भले ही लगातार नए रिकॉर्ड बन रहे हों, सोने के सिक्कों की मांग में कोई कमी नहीं आई है। इस महीने वास्तव में 1, 5 और 10 ग्राम के सोने के सिक्कों की बिक्री में 25 फीसदी तक उछाल दर्ज किया गया है। गुरुवार को सोने की कीमत कोलकाता में 26,000 रुपए प्रति 10 ग्राम रही, जो बुधवार को 27,980 रुपए थी। दिल्ली में पीली धातु 25,660 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गई।

अंतरराष्ट्रीय आर्थिक रिकवरी से जुड़ी चिंताओं के बीच जहां शेयर बाजार में कमजोरी जारी है, वहीं ज्वैलरों को उम्मीद है कि सोने की कीमत निकट भविष्य में और तेज हो सकती है। पिछले एक साल में सोने की कीमत 16,350 रुपए से 74.31 फीसदी तक चढ़कर 28,500 रुपए पर पहुंच चुकी है और निवेशकों में अब भी सोने को लेकर तेजी का रुझान बना हुआ है। जो लोग निवेश के लिए जल्दबाजी में हैं और जो जल्दबाजी में नहीं भी हैं, वे भी सोने के सिक्के खरीदने के लिए ज्वैलरों का रुख कर रहे हैं। इसी समय हालांकि ज्वैलरी की खरीदारी बिल्कुल थम सी गई है। ज्वैलरी की खरीदारी कई इलाकों में तो बिल्कुल ही रुक गई है क्योंकि लोग ज्वैलरी खरीदने में मेकिंग चार्जेज बर्बाद करना समझदारी नहीं मानते। 24 कैरेट सोना खरीदने में उन्हें इन चीजों की कोई चिंता नहीं होती, इसलिए निवेशक सोने के सिक्कों की खरीदारी में जुट गए हैं।

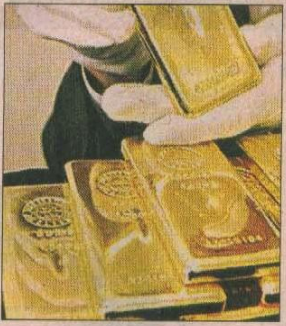

मुंबई की ऋद्धिसिद्धि बुलियन के निदेशक मुकेश कोठारी ने कहा, 'पिछले एक पखवाड़े में गोल्ड ज्वैलरी की मांग बिल्कुल कम हो गई है। सिक्के और बार की मांग इसी अवधि में तेजी से बढ़ी है। लोग मानते हैं कि निवेश के लिए सोना सबसे सुरक्षित विकल्प है। सोने की कीमत के रोज नए कीर्तिमान बनाने के बाद भी लोगों में सिक्के और बार खरीदने की दिलचस्पी बढ़ी है।'

गोल्ड बार का अब लोगों में नया क्रेज उभर रहा है। कोलकाता के एक ज्वैलर ने बताया कि मारवाड़ी समुदाय के कुछ लोग एक किलो या दो किलो के गोल्ड बार खरीदने में काफी दिलचस्पी ले रहे हैं। ज्वैलर ने कहा, 'लोगों में आम धारणा यह है कि आने वाले दिनों में सोने की कीमत और तेज होगी, इस वजह से लोग सोने को मौजूदा कीमत पर भी खरीदने से परहेज नहीं कर रहे। सोने के सिक्कों और बार की खरीदारी के पीछे यह सबसे बड़ी वजह है।' वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक बार एवं सिक्के के साथ ही गोल्ड ईटीएफ की मांग साल 2011 की दूसरी छमाही में 78 फीसदी तक बढ़ी है। साल 2010 की दूसरी छमाही की तुलना में यह मांग बढ़कर 108.5 टन पर पहुंच गई है।

रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्द्धन परिषद के चेयरमैन (पूर्वी क्षेत्र) पंकज पारेख ने कहा कि सोने की कीमत में स्थिरता आने से पहले इसकी कीमत में और तेजी आने की संभावना है। उन्होंने कहा, 'पूरी दुनिया का आर्थिक परिदृश्य कमजोर नजर आ रहा है और इस वजह से सोने की कीमत में तेजी दर्ज की जा रही है। यह तेजी बहुत दिनों तक कायम नहीं रहने वाली और बाद में इसकी कीमत में स्थिरता आ जाएगी। अभी यह कहना बहुत मुश्किल है कि सोने की कीमत में स्थिरता कब तक आ पाएगी।'

दिल्ली के रामा कृष्णा ज्वैलर्स के प्रेम प्रकाश चौधरी ने बताया कि सोने की कीमत में तेजी आने की वजह से इसकी मांग पर काफी असर पड़ा है। एक ज्वैलर ने कहा, 'अब हम ज्वैलरी की मांग में तेजी आने के लिए उत्सवों का इंतजार कर रहे हैं। सोने के सिक्के और बार की मांग में हालांकि कुछ तेजी आई है और निवेश के उद्देश्य से लोग इसे खरीद रहे हैं।'